आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–16 जनवरी 2026 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवा नवप्रवर्तकन के समरथन दिहले के सरकार क प्रतिबद्धता दोहरवले हवें। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौका पर नई दिल्ली के भारत मण्डपम में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कहलें कि आत्मनिर्भर भारत क निरमाण में स्टार्टअप खास भूमिका निभा रहल हवें।

नेशनल स्टार्टअप डे का यह अवसर स्टार्ट अप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का ये समूह मैं अपने सामने नये और विकसित होते भारत का भविष्य देख रहा हूं।

येह मौका पर प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रदर्सनी क्षेत्र क अवलोकन कइलें आ प्रदर्सकन से बातोचीत कइलें।

कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य आ उद्योग मंत्री पीयूष गोयल कहलें कि प्रधानमंत्री के अगुआई में पछिला एक दसक में स्टार्टअप तंत्र में बहुत बड़हन बदलाव आइल हौ। उहां के कहलीं कि बरिस दुइ हजार सोरह में खाली चारि सौ स्टार्टअप रहल जेकर संख्या अब दुइ लाख से बेसी हो गइल बा।

स्टार्टअप इंडिया एगो परिवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम सिद्ध भइल बा। एगो रिपोर्ट–

स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दशक पूर्व 16 जनवरी, 2016 को की थी। इसका शुभारंभ नवाचार, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और निवेश संचालित वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए परिवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में हुआ था। इसका उद्देश्य भारत को नौकरियां ढूढ़ने वालों की बजाय नौकरियां सृजित करने वाले देश में रूप में स्थापित करना है। स्टार्टअप दिवस पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी शुभकामनाएं दीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री शाह ने कहा कि देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम आज वैश्विक मानचित्र पर एक उज्ज्वल स्थान रखता है। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गोरखपुर में पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल महिला प्रतियोगिता के सुभारम्भ कार्यक्रम में सामिल भइलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि 'जो खेलेगा, वहीं खिलेगा' के संकल्प के साथे उत्तर प्रदेस खेलन के क्षेत्र में नया ऊंचाई छू रहल बा। श्री योगी कहलें कि प्रदेस सरकार की ओरि से अबले अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते वाले पांच सौ खेलाड़ियन के कई गो विभागन में सरकारी नोकरी दीहल गइल हौ।

देश के अन्दर दो हजार चौदह के बाद जिस प्रकार की एक नई खेल संस्कृति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित की है आज वह देखते हुए बनती है। याद करिये जब उन्होंने देशवासियों को खेलो इण्डिया खेलो के माध्यम से जोड़ने का आह्वान किया था, फिट इण्डिया मूवमेंट के माध्यम से एक स्वस्थ शरीर के माध्यम से कैसे हम सशक्त राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला तैयार कर सकते हैं, इसकी प्रेरणा दी। सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से गांव–गांव तक इन खेलकूद की प्रतियोगिताओं को हम आगे बढ़ायें इसके लिये उन्होंने प्रेरित किया।

****

केंद्र सरकार आवे वाला बजट सत्र में बीज अधिनियम दुइ हजार छब्बीस पेस करी। आजु नई दिल्ली में संवाददाता लोगिन के जनकारी देत कृषि आ किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान बतवलें कि येह कानून क उद्देस्य खराब गुणवत्ता वाला, नकली आ अनधिकृत बीया के बिकिरी पर अंकुस लगावल हौ। उहां के कहलीं कि नया कानून जनकारी क सुविधो देई।

इसमें ट्रेसिबिलिटी का पूरा एक सिस्टम होगा। जो बीज आएंगे वो ये पता चलेगा कि डीलर के पास कहां से आए हैं। एक तो ये होगा कि खराब बीज सिस्टम में आएंगे ही नहीं, आए तो वे पकड़े जाएंगे और जिसने दिए उसको दंड दिया जा सकेगा। इसकी व्यवस्था की गई है। सीड़ कंपनी का रजिस्ट्रेशन बकायदा किया जाएगा। इससे अनाधिकृत रूप से अगर कोई बीज बेचेगा तो वो भी जानकारी तत्काल प्राप्त की जा सकेगी। हां एक बात मैं इसमें कहता हूं कि परंपरागत बीज जो किसान बोता चला आया है पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होंगे क्योंकि किसान आपस में भी बीजों का विनिमय करता है।

****

सर्वोच्च न्यायालय आजु इलाहाबाद उच्च न्यायालय क न्यायाधीश यशवंत वर्मा के राहत दिहले से मिनहा कइ दिहले हौ। यशवंत वर्मा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओरि से गठित कइल गइल समिति के चुनौती दिहले रहलें। येह समिति के पछिला सालि मार्च में उनके घरे जरल नोटि मिलले के आरोप क जांचि बदे गठित कइल गइल रहल।

****

इस्राइल क राजधानी तेल अवीव कै भारतीय दूतावास, ओइजा मौजूद हालति के देखत भारतीय नागरिकन के इस्राइल क अनावस्यक जतरा से बचले क सलाहि दिहले हौ। एगो रिपोर्ट–

भारतीय दूतावास ने इस्राइल में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों तथा समय–समय पर सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। किसी भी आपात स्थिति में भारतीय नागरिक दूतावास की 24 घंटे काम करने वाले हेल्पलाइन नंबरों 972– 54– 7 5 2 0 7 1 1 और 972– 54–3 2 7 8 3 9 2 पर संपर्क कर सकते हैं या कॉन्सवन डॉट तेलअवीव एट दी रेट एमईओ डॉट जीओवी डॉट इन पर ई–मेल भेज सकते हैं। विष्णु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से शक्ति सिंह।

****

प्रदेस भर में गलन भरल ठंडी आ कुहेसा से जनजीवन परभावित बा।

****